

BSOC-102

सत्रीय कार्य

(जनवरी, 2025 एवं जुलाई, 2025 सत्रों के लिये)

BSOC-102 भारत का समाजशास्त्र



मानविकी विद्यापीठ

इन्दिरा गाँधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय

मैदान गढ़ी, नई दिल्ली - 110068

BSOC-102 भारत का समाजशास्त्र

सत्रीय कार्य (2025-26)

पाठ्यक्रम कोड : BSOC-102 /2025-26

प्रिय छात्रो/छात्राओ,

यह सत्रीय कार्य शिक्षक जाँच सत्रीय कार्य (TMA) है। सत्रीय कार्य के लिये 100 अंक निर्धारित किये गये हैं। सत्रीय कार्य में पूरे पाठ्यक्रम से प्रश्न पूछे जायेंगे।

उद्देश्य : शिक्षक जाँच सत्रीय कार्य का उद्देश्य यह जाँचना है कि आपने पाठ्य सामग्री को कितना समझा है और आप उसे अपने शब्दों में कैसे प्रस्तुत कर सकते हैं। यहाँ पाठ्य सामग्री की पुनर्प्रस्तुति से तात्पर्य नहीं है वरन् अध्ययन के दौरान जो कुछ सीखा और समझा है उसे आप आलोचनात्मक ढंग से प्रस्तुत कर सकें।

निर्देश : सत्रीय कार्य आरम्भ करने से पूर्व निम्नलिखित बातों को ध्यान से पढ़िये:

- 1) अपनी उत्तर पुस्तिकाओं के पहले पृष्ठ के दाएँ सिरे पर अनुक्रमांक, नाम, पूरा पता और दिनांक लिखिये।
- 2) बाईं ओर पाठ्यक्रम का शीर्षक, सत्रीय कार्य संख्या और अपने अध्ययन केन्द्र का उल्लेख करें जैसा आगे दिखाया गया है :

अनुक्रमांक :

नाम :

पता :.....

दिनांक :.....

पाठ्यक्रम का नाम/कोड :.....

सत्रीय कार्य कोड :.....

अध्ययन केन्द्र का नाम/कोड :.....

सत्रीय कार्य के लिए आवश्यक निर्देश

1. अध्ययन: सबसे पहले सत्रीय कार्य को ध्यान से पढ़िए । फिर इससे संबंधित इकाईयों का सावधानीपूर्वक अध्ययन कीजिए । अंत में प्रत्येक प्रश्न के संबंध में कुछ विशेष बातें नोट कर लीजिए और उन्हें तार्किक ढंग से व्यवस्थित कीजिए ।

2. अभ्यास: उत्तर का प्रारूप तैयार करने से पूर्व नोट की गई बातों पर विचार कीजिए । अनावश्यक बातों को हटा दीजिए और प्रत्येक बिन्दु पर विस्तार से विचार कीजिए । निबन्धात्मक या टिप्पणी परक प्रश्नों में आरम्भ और उपसंहार पर विशेष ध्यान दीजिए । उत्तर के आरम्भिक अंश में प्रश्न की संक्षिप्त व्याख्या और अपने उत्तर की दिशा का संकेत अवश्य दे देना चाहिए । मध्य भाग में आप उत्तर का मुख्य भाग आवश्यक विस्तार के साथ क्रमबद्धता और तार्किक ढंग से प्रस्तुत करें । उपसंहार में उत्तर का सार देना चाहिए ।

यह सुनिश्चित कर लीजिए कि :

क) आपका उत्तर तार्किक और सुसंगत हो,

ख) उत्तर सही ढंग से लिखा गया हो तथा आपकी अभिव्यक्ति शैली और प्रस्तुति के पूर्णतया अनुकूल हो,

ग) आपके लेखन में भाषागत त्रुटियों न हों, विशेष रूप से मात्रा और व्याकरण संबंधी गलतियों से बचें ।

3. प्रस्तुति: जब आप अपने उत्तर से पूर्णतया संतुष्ट हो जाएँ, तो उसे साफ़ और सुंदर अक्षरों में उत्तर पुस्तिका में लिख लीजिए तथा जिन बातों पर आप जोर देना चाहते हैं, उन्हें रेखांकित कर दीजिए ।

शुभकामनाओं के साथ ।

नोट: याद रखें कि परीक्षा में बैठने से पूर्व सत्रीय कार्य जमा कराना अनिवार्य है, अन्यथा आपको परीक्षा में बैठने की अनुमति नहीं दी जाएगी ।

सत्रीय कार्य जमा कराने की तिथियाँ :

जनवरी, 2025 सत्र के लिए : 30 सितम्बर, 2025

जुलाई, 2025 सत्र के लिए : 31 मार्च, 2026

बी.एस.ओ.सी.-102 : भारत का समाजशास्त्र—I

अध्यापक जाँच सत्रीय कार्य

कार्यक्रम कोड : BASOH

पाठ्यक्रम कोड: BSOC-102

सत्रीय कार्य कोड : बी.एस.ओ.सी -102 /ए.एस.एस.टी./TMA/2024-25

अधिकतम अंक: 100

नोट: इस सत्रीय कार्य में तीन भाग हैं। आपको सभी भागों में सभी प्रश्नों के उत्तर देना है।

सत्रीय कार्य - I

निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लगभग 500 शब्दों में दीजिए। प्रत्येक प्रश्न 20 अंकों का है।

- 1) भारतीय समाज को समझने के लिए इंडोलॉजिकल मिशनरी और प्रशासनिक दृष्टिकोण की तुलना कीजिए। 20
- 2) राष्ट्रवाद से आप क्या समझते हैं ? राष्ट्रवाद पर ए आर देसाई और पार्थ चटर्जी के विचारों पर चर्चा कीजिए। 20

सत्रीय कार्य - II

निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लगभग 250 शब्दों में दीजिए। प्रत्येक प्रश्न 10 अंकों का है।

- 3) सबाल्टर्न अध्ययन में रंजीत गुहा के योगदान की विवेचना कीजिए। 10
- 4) समकालीन भारतीय समाज में जाति व्यवस्था के भीतर परिवर्तन और निरंतरता की व्याख्या कीजिए। 10
- 5) अनौपचारिक अर्थव्यवस्था में महिलाओं की स्थिति पर चर्चा कीजिए। 10

सत्रीय कार्य - III

निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लगभग 100 शब्दों में दीजिए। प्रत्येक प्रश्न 6 अंकों का है।

- 6) नृजातीयता 6
- 7) शक्ति और सत्ता की अवधारणा 6
- 8) संयुक्त परिवार 6
- 9) कृषि वर्ग संरचना 6
- 10) विवाह के स्वरूप 6